बाबा मुक्तानन्द की सिखावनी

४

सत्संग करो और उसमें जो सीखते हो उसका अभ्यास करो। उससे हृदय स्वच्छ होगा। जिन सन्तों ने अपनी इन्द्रियों को वश में कर लिया है, वे दूसरों की इन्द्रियों को भी वश में ला सकते हैं। ऐसे सन्तों का सत्संग करो, उससे तुम्हारा हृदय-परिवर्तन होगा।

~ बाबा मुक्तानन्द

स्वामी मुक्तानन्द, परमार्थ कथाप्रसंग [चित्शक्ति पब्लिकेशन्स, २०१६] पृ. १४८

© २०१८ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।